6. निम्नलिखित में से किसी एक पर टिप्पणी लिखिए। (6)

(क) संस्मरण

(ख) एकांकी

[This question paper contains 8 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 5927 **H**

Unique Paper Code : 2055092003

Name of the Paper : Hindi Gadya ke Vividh Charan (C)

Name of the Course : **B.Com. (Prog.) GE**

Semester : IV

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

RAMANUJAN COLLEGE LIBRARY
Kalkaji, New Delhi-110019

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए
2. सभी प्रश्न अनिवार्य है।

1. निम्नलिखित में से **किन्ही तीन** गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। (8+8+8=24)

(क) आज दोनों के सामने फिर वही सूखा भूसा लाया गया। दोनों चुपचाप खड़े रहे। घर के लोग भोजन करने लगे। उस वक्त

छोटी-सी लड़की दो रोटियाँ लिए निकली, और दोनों के मुहँ में देकर चली गई। उस एक रोटी से इनकी भूख तो क्या शांत होती पर दोनों के हृदय को मानो भोजन मिल गया । यहाँ भी किसी सज्जन का वास है। लड़की भैरों की थी। उसकी माँ मर चुकी थी। सौतेली माँ उसे मारती थी, इसलिए इन बैलों से उसे एक प्रकार की आत्मीयता हो गई थी।

अथवा

निस्संदेह बहादुर की वजह से सबको खूब आराम मिल रहा था। घर खूब साफ और चिकना रहता । कपड़े चमाचम सफेदा निर्मला की तबीयत भी काफी सुधर गई। अब कोई एक खर भी न टकसाता था। किसी को मामूली से मामूली काम करना होता तो वह बहादुर को आवाज देता। 'बहादुर, एक गिलास पानी' 'बहादुर पेंसिल नीचे गिरी है, उठाना' । इसी तरह की फरमाइशें! बहादुर

अथवा

'बहादुर' कहानी की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए।

4. 'सच्ची वीरता' की मूल संवेदना को विस्तार से बताइये। (15)

अथवा

'घर जोड़ने की माया' निबंध का प्रतिपाद्य लिखिए।

5. 'रामा' की चारित्रिक विशेषताओं का वर्णन कीजिए। (15)

अथवा

'मंगर' रेखाचित्र के आधार पर भारतीय किसानों की दशा का वर्णन कीजिए।

के कारण ! सुना है, मेरे बाबूजी को वह बहुत चाहता था। शायद, उनके नेक स्वभाव के कारण ! किंतु मेरे चाचाओं को तो उसने हमेशा अपनी बराबरी का ही समझा, और मुझे तो वह कल तक 'तू' ही कहकर पुकारता रहा है। किसकी मजाल, जो मंगर को बदजुबान कहे - हलवाहों को मिलनेवाले नित दिन की गालियाँ तो दूर की बात।

2. भारतेंदु युगीन हिंदी निबंध का सामान्य परिचय दीजिए। (15)

अथवा

प्रेमचंदयुगीन हिंदी कहानी का परिचय दीजिए ।

3. 'दो बैलों की कथा' कहानी की सार लिखिए। (15)

घर में फिरकी की तरह नाचता रहता। सभी रात में पहले ही सो जाते थे और सवेरे आठ बजे से पहले न उठते थे।

(ख) वीरता का विकास नाना प्रकार से होता है। कभी तो उसका विकास लड़ने-मरने में, खून बहाने में, तलवार-तोप के सामने जान गवाने में होता है; कभी प्रेम के मैदान में उसका झंडा खड़ा होता है। कभी साहित्य और संगीत में वीरता खिलती है। कभी जीवन के गूढ़ तत्त्व और सत्य की तलाश में बुद्ध जैसे राजा विरद्र होकर वीर हो जाते हैं। कभी किसी आदर्श पर और कभी किसी पर वीरता अपना फरहरा लहराती है। परंतु वीरता एक प्रकार का इलहाम है। जब कभी इसका विकास हुआ तभी एक नया कमाल नजर आया; एक नया जलाल पैदा हुआ; एक नयी रौनक, एक नया रंग, एक नयी बहार, एक नयी प्रभुता संसार में छा गई।

अथवा

घर फूंकने का अर्थ हैं धन और मान का मोह त्याग देना, भूत और भविष्य की चिंता छोड़ देना और सत्य के सामने सीधे खड़े होने में जो कुछ भी बाधा हो उसे निर्ममता पूर्वक ध्वंस कर देना। पर सत्यों का सत्य यह हैं कि लोग कबीरदास के साथ चलने की प्रतिज्ञा करने के बाद भी घर नहीं फूँक सके। मठ बने, मंदिर बने, प्रचार के साधन आविष्कार किये गये और उनकी महिमा बताने के लिए अनेक पोथियाँ रची गई। इस बात का बराबर प्रयत्न होता रहा कि अपने इर्द-गिर्द के समाज में कोई यह न कह सके कि इन का अमुक काम सामाजिक दृष्टि से अनुचित है ! अर्थात विद्रोही बनने की प्रतिज्ञा भूल गई; सुलह और समझौते का रास्ता स्वीकार कर लिया गया।

(ग) शैशव की स्मृतियों में एक विचित्रता है। जब हमारी भावप्रवणता गंभीर और प्रशांत होती है, तब अतीत की रेखाएं कुहरे में से स्पष्ट होती हुई वस्तुओं के समान अनायास ही स्पष्ट-से-स्पष्टतर होने लगती है; पर जिस समय हम तर्क से उनकी उपयोगिता सिद्ध करके स्मरण करने बैठते हैं, उस समय पत्थर फेंकने से हट कर मिल जाने वाली, पानी की काई समान विस्मृति उन्हें फिर-फिर ढक लेती है।

अथवा

मंगर का स्वाभिमान - गरीबों में भी स्वाभिमान ? लेकिन, मंगर की खूबी यह भी रही है। मंगर ने किसी की बात कभी बरदाश्त नहीं की और शायद अपने से बड़ा किसी को मन से माना भी नहीं। मंगर मेरे बाबा का अदब करता था, शायद उनके बुढ़ापे